किरण देवी सर्राफ ट्रस्ट मुम्बई के सौजन्य से महाजनवाड़ी, चिंच पोकली में उद्योगपति महावीर प्रसाद सराफ द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया गया।

विज्डम सिटी में निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा कार्यक्रम पर कार्यशाला

माई झुं.न्यूज। कन्ज्यूमर यूनिटी एवं ट्रस्ट सोसायटी जयपुर तथा सारथी संस्था सूरजगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को झुंझुनूं इंटरनेशनल विज्डम सिटी में निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा कार्यक्रम पर कार्यशाला हुई।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी राजकुमार पारीक, कट्स संस्था के दीपक सक्सेना, नितिन अग्रवाल, सुरेश राठी, संजीव महला व गोपाल पुरोहित थे। कार्यशाला में अतिथियों ने विभिन्न प्रकार के निवेश तथा उसमें बरती जाने वाली सावधानियों एवं स्टाक एक्सचेंजों की कार्यप्रणाली, नियामक सेबी की भूमिका, निवेशों के विकल्पों, विभिन्न प्रकार के बाजारों प्राथमिक एवं द्वितीय बाजारों की प्रकृति व कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

अतिथियों ने बाम्बे तथा नेशनल स्टाक एक्सचेंज की भूमिका एवं कार्यप्रणाली, डीमेट व्यवस्था, म्यूचल फण्ड तथा धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों से सावधान रहने की हिदायत दी। संयोजक सारथी संस्था के राजेन्द्र सेन ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला का संचालन झुंझुनूं इन्टरनेशनल विज्डम सिटी के निदेशक दलीप मोदी ने किया।

चैत्र शुक्ल पक्ष के पर्वोत्सव-पंडित महावीर प्रसाद शर्मा

संवत्सर पूजन- यह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को पूजित होता है। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी का और उनकी निर्माण की हुई सृष्टि के प्रधान प्रधान देवी, देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्वों, त्रृषि मुनियों मनुष्यों नदियों पर्वतों पशुपक्षियों और कीटाणुओं की हीनहीं रोगों और उनके उपचारों तक का पूजन किया जाता है। इससे यह स्वत: सूचित होता है कि संवत्सर सर्वप्रधान महामान्य है। कहा है-काल: सृजति भूतानि काल: संहरति प्रजा:। काल: सुप्तेषु जागर्ति कालों ही दुरतिक्रम:॥

द्वादश मासा: संवत्सर इसके अनुसार संवत्सर बारह महीने का काल विशेष है। ज्योति शास्त्र के अनुसार संवत्सर के सौर, सावन, चान्द्र, बार्हस्पत्य और नक्षत्र ये पांच भेद हैं परन्तु धर्म कर्म और लोक व्यवहार में चान्द्र संवत्सर की प्रवृति ही विख्यात है। चान्द्र संवत्सर का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है। इस पर कोई यह पूछ सकते हैं कि जब चान्द्रमास कृष्ण प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं तो संवत्सर शुक्ल से क्यों होता है। इसका समाधान यह है कि कृष्ण पक्ष के आरम्भ में मलमास आने की सम्भावना रहती है और शुक्ल में नहीं। इस कारण संवत्सर की प्रवृति शुक्ल प्रतिपदा से ही अनुकूल होती है। इसके सिवा ब्रह्माजी ने सृष्टि का

आरम्भ इसी शुक्ल प्रतिपदा को किया था और इसी दिन मत्स्यावतार का आर्विभाव तथा सत्ययुग का आरम्भ हुआ था।

चैत्र मासि जगाद् ब्रह्मा ससर्ज प्रथमेऽहनि ॥ इस दिन संवत्सर का पूजन नवरात्र घट स्थापन ध्वजारोहण तैलांभ्यग स्नान वर्षेशादि का फलपाठ, पारिभद्र का पत्र-प्राशन नीम की पत्तियों का खाना और प्रपास्थापन प्याऊ लगाना आदि लोक प्रसिद्ध और विश्वोकारक अनेक काम होते हैं। इसके द्वारा सनातनी जनता में सर्वत्र ही संवत्सर का महोत्सव मनाया जाता है। ज्यौतिष शास्त्र के अनुसार उस दिन उदय में जो वार हो वही उस वर्ष का राजा होता है। इस वर्ष नवसंवत्सर के दो वर्षेश होंगे। चूंकि सूर्योदय प्रत्येक नगर ग्राम में भिन्न भिन्न काल में होगा अत: जहां सूर्योदय प्रतिपदा कीसमापित प्रात: 6 घण्टा 9 मिनट के बाद होगा वहां नव वर्षारम्भ 6 अप्रेल को अमायुक्त प्रतिपदा के दिन होगा और वर्शेष रवि माना जाएगा तथा पूर्वी काश्मीर, हिमाचल, पूर्वी हरियाणा, चण्डीगढ, दिल्ली, उत्तरांचल, उत्तरप्रदेश, पूर्वी मध्यप्रदेश, पूर्वी आन्ध्रप्रदेश, पूर्वोतरी तमिलनाडु, नेपाल, बिहार, छत्तीसगढ, झारखण्ड, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल तथा पूर्वी भारत के शेष सभी प्रदेशों में वर्षारम्भ सोमवार सात अप्रेल के होगा। राजस्थान, गुजरात, मुम्बई आदि पश्चिमी स्थानों में 6 अप्रेल रविवार के प्रात: 9 बजकर 25 मिनट के पश्चात घटस्थापन एवं देवी पूजन का शुभ समय रहेगा। केवल मणिपुर, आसाम, त्रिपुरा में नवरात्रारम्भ 7 अप्रेल सोमवार को होगा। वासन्तिक नवरात्र मे आद्य शक्ति भगवती दुर्गा की विशेष आराधना स्त्री पुरूष दोनों कर सकते हैं। व्रत में उपवास, अयाचित- बिना मांगे प्राप्त भोजन, नक्त रात में भोजन करना या एकमुक्त- एक बार भोजन करना जो बन पड़े यथा सामर्थ्य वह करे।

यदि नवरात्रों में घट स्थापन के बाद रजस्वलादि या अन्य अशोच हो जाय तो कोई दोष नहीं लगता परन्तु पहले हो जाए तो पूजनादि स्वयं न करे। कुमारी पूजन नवरात्र का अनिवार्य अंग है। अत: सामर्थ्यनुसार नो सात पांच तीन या एक कन्या को देवी मानकर भोजन कराना चाहिए।

रामनवमी सारे जगत के लिये सौभाग्य का दिन है क्योंकि अखिल विश्वपति श्री भगवान, इसी दिन दुर्दान्त रावण के अत्याचार से पीड़ित पृथ्वी को सुखी करने और सनातन धर्म की मर्यादा की स्थापना करने के लिये मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के रूप में प्रकट हुए थे। श्रीराम केवल हिन्दुओं के ही राम नहीं हैं वे अखिल विश्व के प्राणाराम हैं। श्रीराम जन्मोत्सव की विधि इस प्रकार की जा सकती है।

1. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल नवमी तक नौ दिन उत्सव मनाया जाए।

2. प्रत्येक मनुष्य प्रतिदिन अपनी रुचि के अनुसार श्रीराम के दो अक्षर, चार अक्षर, पंचाक्षर, राम, रामाय नम:, या सीताराम का 108 बार जाप प्रतिदिन करें। ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए श्रीरामायण का पाठ करें। इस वर्ष मध्याह्न व्यापिनी नवमी 13 अप्रेल 2008 को ही है। अत: रामनवमी का व्रत निर्विवाद रूपेण इसी दिन होगा तथा इसी दिन रामजन्मोत्सव मनाया जावेगा।

पंडित महावीर प्रसाद पारीक
शास्त्री एम ए संस्कृत, बीदासर
मो- 9460513758

श्री सालासरवाला संकटमोचन मंदिर में फागोत्सव

माई झु.न्यूज। शाहों वाले कुएं के पास स्थित श्रीसालासर वाला संकटमोचन बालाजी मंदिर मं फागोत्सव और वार्शिकोत्सव का समापन अखण्ड रामायण पाठ से हुआ। मंदिर प्रबन्धक वीरेन्द्र शाह ने बतायाकि मंगलवार शाम सात बजे आरती हुई। मुरारी व लोकेश भट्ट एण्ड पार्टी की ओर से भजनों की रसगंगा बहाई गई।

इस अवसर पर महंत श्याम सुन्दर,रामगोपाल टमकोरवाला, रामप्रकाश गोल्याणा, विनोद कानोडिया, अशोक व सुरेश झुंझुनूवाला, विजय केजड़ीवाल, संजय डालमिया, नंदलाल जगनानी, गुगन दर्जी, भंवर स्वामी, विकास राणासरिया सहित अन्यजन उपस्थित थे।

राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

माई झुं.न्यूज मंडावा। राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. गौतम मुखर्जी ने कहा कि अच्छी तालीम से भविष्य का निर्माण संभव है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा को ब्रिटिश शासन की देन बताते हुए कहा कि अंग्रेजों ने शिक्षा को प्रशासनिक आधार मानकर लोगों को शिक्षित किया था। आज ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो हमारे सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में सहायक सिद्ध हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता झुंझुनूं नगरपालिका आयुक्त राजेन्द्र जोशी ने की।

विशिष्ट अतिथि राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के जिलाध्यक्ष दुर्गाराम मोगा व थानाधिकारी नरेन्द्र पूनियां थे। समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। संचालन ऋतु चौधरी व शंकरसिंह राव ने किया। विद्यालय निदेशक हरलालसिंह मोगा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य ईश्वरलाल जांगिड़ ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सुभाषचन्द्र मोगा व उपप्राचार्य राधेश्याम शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

चि. विनय सुपुत्र श्री कैलाशचन्द्र जी सिंघानिया एवं **सौ.कां. मोन्टी** सुपुत्री श्री अशोक कुमार जी गोयल शिवपुरी का शुभविवाह 1 मार्च 2008 को सम्पन्न हुआ।

जाखल में 181 को आंखे मिली

माई झु.न्यूज। श्री महाराजा अग्रसेन शिक्षा एवं जन कल्याण ट्रस्ट झुंझुनूं द्वारा श्री जोधराज सौन्थलिया धमार्थ ट्रस्ट मुम्बई एवं जिला स्वास्थ्य समिति- अन्धता झुंझुनूं के आर्थिक सहयोग से दिनांक 2 मार्च 2008 को एक साथ तीन नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाये गये। नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में नौ सो रोगियों की जांच कर 181 रोगियों की आंखों के ऑपरेशन किये गये। शिविर में जिनमें 165 आंखों में उच्च कोटी के लैंस प्रत्यारोतिप किये गये तथा पांच ऑपरेशन केवल मोतियाबिन्द के किये तथा 11 ऑपरेशन अन्य किये गये, भर्ती किये गये सभी मरीजों की खाने की रहने की दवाईयां आदि की सभी व्यवस्था निशुल्क थी। शिविर में डॉ. अंशु सहाय ने जयपुर से आकर सेवाएं दी।

शिविर प्रभारी गीलुराम मोदी ने बताया कि निशुल्क नाक-कान-गला चिकित्सा शिविर में 343 रोगियों की चिकित्सा कर उन्हें दवाईयां भी दी गयी तथा आवश्यकतानुसार आधी कीमत पर स्वर्ण यंत्र भी दिये गये। डॉ. प्रकाश गोलेछा ने जयपुर से आकर सेवाएं दी।

इसी प्रकार दांतों की चिकित्सा में 450 रोगी आये इनकी जांच करके तथा एक्सरे कराकर 250 मरीजों के दांत निकालने तथा चांदी व मसाला भरने की नि:शुल्क व्यवस्था की। इस शिविर में दन्त विशेषज्ञ डॉ. एच.एच. हाथी ने अपनी सेवाएं एक अच्छी टीम बनाकर आकर दी। शिविर में सेवाभारती के सदस्यों ने सेवाएं दी। शिविर में श्यामसुन्दर सौन्थलिया के पूरे परिवार ने आकर अपनी सेवाएं दी।

शिवप्रसाद केडिया जन कल्याण ट्रस्ट ने इस्लामपुर में लगाया नेत्र शिविर

माई झु. न्यूज। इस्लामपुर के जड़िया देवी रामप्रताप सौंथलिया अस्पताल में शिव प्रसाद केडिया जन कल्याण ट्रस्ट देहली एंव महाराज अग्रसेन शिक्षा एवं जन कल्याण ट्रस्ट झुंझुनूं तथा जिला अन्धता निवारण समिति झुंझुनूं के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक गीलुराम मोदी ने शिविर का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित करके किया। शिविर आयोजक ओमप्रकाश केडिया ने शुभारम्भ पर गणेश पूजन किया। शिविर संचालन उमाकान्त शर्मा द्वारा किया गया। शिविर में कुल 837 रोगियों की जांच जयपुर के सुप्रसिद्ध डॉ. अंशु सहाय एवं उनके सहयोगियों द्वारा की गयी जिसमें 146 व्यक्तियों का चयन ऑपरेशन हेतु हुआ। सभी रोगियों को ठहरने, खाने पीने की निशुल्क व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की गयी। शिविर में डॉ. एन एस शेखावत, मदनलाल गुप्ता, सरपंच राकेश देवी, श्रवण कुमार केडिया, सत्यनारायण केडिया, सुरेन्द्र कुमार केडिया, रजनीकान्त केडिया, प्रदीप केडीया एवं सुशील केडीया सहित अन्य गणमान्यजन ने अपनी सराहनीय सेवाएं प्रदान की।

नवलगढ डीवाईएसपी बिहारीलाल पदोन्नत हुए

माई झु.न्यूज। नवलगढ के पुलिस उपाधीक्षक बिहारीलाल पदोन्नत होकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बन गये हैं। बिहारीलाल को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का अशोक चिन्ह झुंझुनूं में जिला पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद शर्मा ने प्रदान किया। पदोन्नत होने पर बिहारीला को साथी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

एस एन गुप्ता का चिड़ावा आगमन

माई झु.न्यूज। जन अभाव अभियोग समिति के चैयरमेन एस एन गुप्ता रविवार रात चिड़ावा मण्डी समिति के उपाध्यक्ष अशोक मालानी के यहां शादी समारोह में नवविवाहित दम्पत्ति को शुभार्शिवाद देने चिड़ावा आये।

चैयरमेन गुप्ता का, श्याम सुन्दर मालानी के नेतृत्व में चिड़ावा के व्यापारियों ने स्वागत किया तथा उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत करवाया। व्यापारियों ने गुप्ता को कर लगने वाले चार प्रतिशत कर के बारे में अवगत करवाते हुए पड़ोसी राज्यों की तरह इसे हटवाने का ज्ञापन दिया। गुप्ता ने इस पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सुभाष मालानी, श्याम सुन्दर गुप्ता, द्वारकाप्रसाद फलोद सहित अन्यजन उपस्थित थे।

श्री बन्धे का बालाजी मंदिर ट्रस्ट की बैठक मेला व्यवस्थाओं हेतु

माई झु.न्यूज। श्री बन्धे का बालाजी मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारियों की रविवार नौ मार्च को मंदिर परिसर में बैठक हुई। इसमें मेले की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंदिर परिसर में कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।

मंदिर ट्रस्ट की ओर से हनुमान जयन्ती पर तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन रखे गए हैं। समिति सूत्रों के अनुसार कार्यक्रम में पहले दिन 18 अप्रेल शुक्रवार को रात्रि जागरण होगा। इसमें बऊधाम के पीठाधीश्वर रतिनाथजी महाराज भजनों की प्रस्तुति देंगे। दूसरे दिन 19 अप्रैल शनिवार की शाम भजन संध्या होगी। इसमें कोलकाता की बाजोरिया एण्ड पार्टी कीओर से भक्तिमयी संगीत का रंगारंग कार्यक्रम पेश किया जाएगा। 20 अप्रेल रविवार को मंदिर परिसर में मेला लगेगा। इस दिन सैंकड़ों श्रद्धालु निशान पदयात्रा लेकर मंदिर पहुंचेगें। मंदिर परिसर में मनोरंजन के लिए हवाई झूले, बच्चों के खिलौने, खाने-पीने के लिए केन्टीन, चाट-पकोड़ी कीस्टालें आदि लगाई जाएंगी।

सुजानगढ़ के डेकोरटरों द्वारा मंदिर में भव्य लाइट डेकोरेशन किया जाएगा। रेवाड़ी के कलाकार द्वारा मंदिर परिसर में सुन्दर सजावट की जाएगी। फूलों की सजावट कोटपूतली के कारीगरों द्वारा की जायेगी। बैठक में मंदिर ट्रस्ट के नरेश गाडिया, प्रदीप गाडिया, विनोद टीबड़ा, संदीप टीबड़ा, नथमल पंसारी, अनिल केडिया, शशिकान्त टीबड़ा, विजय गाडिया, सम्पत गाडिया, मनोज बंका, अतुल गाडिया, मनोज व्यास, संजय जगनानी, सुरेन्द्र राणासरिया, अरविन्द व्यास आदि उपस्थित थे।

बगड़ पीरामल फाउण्डेशन ने लगाया नेत्र शिविर

माई झु.न्यूज। पीरामल फाउण्डेशन बगड़ एवं जिला अंधता निवारण समिति झुंझुनूं के तत्वाधान में लगे नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद शर्मा ने किया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दयाशंकर बावलिया ने की। ट्रस्ट के निदेशक रविकुमार ओझा ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में डॉ. अविनाश पुरोहित जयपुर एवं अध्यक्षता कर रहे स्वयं डॉ. बावलिया ने अपनी सराहनीय सेवाएं प्रदान की। शिविर में 800 से अधिक रोगियों में से 68 रोगियों को नेत्र आपरेशन के लिए चयनित कर सभी को निशुल्क दवाईयां एवं आवश्यकतानुसार निशुल्क चश्मे वितरित किए गए। इस अवसर पर बगड़ थानाधिकारी देवेन्द्र जाखड़, पंकज शर्मा सहित अन्यजन उपस्थित थे। नेत्र शिविर का संचालन डॉ. रामस्वरूप परेश ने किया।

रामसेतु रक्षार्थ राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को

माई झुं. न्यूज। रामसेतु के रक्षा हेतु कई धार्मिक संगठन आगे आये हैं जिनके प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर दिनेश कुमार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जिसमें श्रृद्धा व आस्था के प्रतीक रामसेतु को बचाने के लिए अपना धार्मिक सांस्कृतिक पक्ष रखा गया। संगठन प्रतिनिधियों के अनुसार श्रीराम सेतु इतिहास में प्रमाणित है कि श्री राम व उनकी सेना नें इसका निर्माण करवाया था। श्रीरामसेतु कीरक्षा के लिए आस्था, संस्कृति, महान कृति व देश की अस्मिता की रक्षार्थ, घुसपैठ की रोकथाम, ऊर्जा स्वरूप थोरियम संरक्षण जल प्लावन से बचाव, लाखों व्यक्तियों के रोजगार, जलवायु परिवर्तन, जलचेरा के संरक्षण इत्यादि के लिए देशवासी चिंतित हैं। ज्ञापन से पूर्व केशव आदर्श विद्या मंदिर में एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें रामसेतु रक्षा मंच के राजेन्द्र शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बृजकिशोर अग्रवाल, बसंतलाल मोरवाल, डॉ. मूलसिंह, सुभाष सहारण, राजकुमार मोरवाल, उमाशंकर महमिया, एएन द्विवेदी, संजय गाडिया, अर्जुनलाल वर्मा, बिरजूसिंह शेखावत, डा. बी के चावला सहित अन्यजन की उपस्थिति में रामसेतु रक्षार्थ प्रयासों पर चर्चा हुई।

आशुतोष ट्रेडर्स की नई शाखा का शुभारम्भ

माई झु.न्यूज। बंशीधर रींगसिया के सुपुत्र विमल रिंगसिया की बिजली उत्पाद विक्रय की संस्थान आशुतोष ट्रेडर्स की नई शाखा का शुभारम्भ रविवार प्रात: 11.30 बजे स्टेशन रोड़ स्थित शाह मारकेट में हुआ।

संस्थान के संचालक विमल एवं विकास-बंटी रींगसिया ने बताया कि नई शाखा में हैवल्स, एन्कर, सूर्या, एस एस के, ओरियन्ट, इन्डो इत्यादि कम्पननियों के श्रेष्ठ उत्पाद बिक्री हेतु उपलब्ध रहेंगे। शुभारम्भ पर रींगसिया परिवार के साथ साथ शहर के प्रतिष्ठित गणमान्यजन बड़ी संख्या मं उपस्थित थे।

"क्या हम आने वाले 50 साल वैसे ही गुज़ारना चाहते हैं जैसे पिछले पचास साल गुज़रे थे?"कुछ करने की भी कीमत चुकानी पड़ती है और कुछ न करने की भी चुकानी पड़ती है।फैसला आपका है।"अगर हम समाधान का हिस्सा नहीं है तो हम ही समस्या हैं।" शिव खेडा

"तृष्णा और भोग"

मानव जगत में जीवन और मृत्यु का मिलन है और चेतना का संगम है। इन्द्रियों की सीमा है लेकिन सत्ता की सीमा नहीं है। मानव मन की चंचलता का कारण ही तृष्णा और भोग है। जीवन में निरन्तर इससे आशा और निराशा उत्पन्न होती रहती है। प्रत्येक वस्तु भोग की सुख देने की सीमा होती है। साथ ही भोग शुभ होने के साथ-साथ निजी सामर्थ्य और योग्यता परम आवश्यक है। जैसे प्रोढ, व्यक्ति अपने मन में सदैव योवन बना रहता है। उन्हें संसार की प्रत्येक विषय वस्तु वासना को देखने से स्फूर्ति और जीने की शक्ति मिलती रहती है। अनियंत्रित व शुद्र योग शारीरिक, आर्थिक व मानसिक उर्जा नष्ट करते हैं। संशय, क्रोध, तनाव, व्याकुलता और दौड़ धूप से जीवन चक्र को भर देती है। मानवीय तृष्णाएं अनन्त होती है वे कभी समाप्र नहीं होती। सभी अनर्थों की जड़ है। कुछ परिस्थिति बदल जाती हैं और कुछ नई निर्मित होती है। अत: हमें नई में भी स्वयं को सही रूप से ढालना चाहिए क्योंकि हमारी दैनिक जीवन शैली व मापदण्ड अर्थ-पूंजी पर केन्द्रित है। इसलिए अपनी रूचि का नियन्त्रण और परिष्कार होना जरूरी है।

"तृष्णा कभी बुढी नहीं होती, हम ही बुढे होते हैं,
भोग नहीं भोगे जाते, हम ही भोग लिए जाते हैं"

नन्दलाल तुलस्यान मुम्बई प्रवासी